अनुक्रमणिका

सारांशिका **i-vii**

घोषणा **viii**

प्रमाण-पत्र **ix**

आभार **x-xi**

अनुक्रमणिका **xii-xiii**

तालिका-सूची **xiv**

चित्र-सूची **xv**

संक्षेपाक्षर **xvi**

भूमिका **xvii-xxi**

प्रथम अध्याय:- समाजभाषाविज्ञान: अवधारणा एवं संकल्पनाएँ **1-59**

1.1 भाषा और समाज का अंतर्संबंध

1.2 समाजभाषाविज्ञान का स्वरूप एवं परिभाषाएँ

1.3 समाजभाषाविज्ञान की विभिन्न संकल्पनाएँ

द्वितीय अध्याय:- लोक साहित्य: स्वरूप, क्षेत्र एवं विविध विधाएँ **60-107**

2.1 लोक की अवधारणा

2.2 लोक साहित्य का स्वरूप एवं क्षेत्र

2.3 लोक साहित्य की विविध विधाएँ

तृतीय अध्याय:- चाय जनगोष्ठी: परिचय एवं इतिहास **108-157**

3.1 चाय जनगोष्ठी का उद्गम एवं इतिहास

3.2 चाय जनगोष्ठी की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति

3.3 चाय जनगोष्ठी की भाषा

चतुर्थ अध्याय:- चाय जनगोष्ठी की संस्कृति एवं संस्कार **158-232**

4.1 चाय जनगोष्ठी की जीवन-शैली

4.2 चाय जनगोष्ठी के विभिन्न पर्व-त्योहार

4.3 चाय जनगोष्ठी के लोक-विश्वास

4.4 चाय जनगोष्ठी के विभिन्न संस्कार

4.5 चाय जनगोष्ठी की लोक कलाएँ

पंचम अध्याय:- चाय जनगोष्ठी के गेय लोक साहित्य का समाजभाषावैज्ञानिक अध्ययन **233-318**

5.1 लोक गीत

5.2 लोक सुभाषित

5.3 मंत्र साहित्य

षष्ठम अध्याय:- चाय जनगोष्ठी के कथात्मक लोक साहित्य का समाजभाषावैज्ञानिक अध्ययन **319-367**

6.1 लोककथा

6.1.1 पौराणिक कथाएँ

6.1.2 धार्मिक कथाएँ

6.1.3 उपदेशात्मक कथाएँ

6.1.4 सामाजिक कथाएँ

6.2 लोक नाट्य

समाहार **368-374**

ग्रंथानुक्रमणिका **375-384**

परिशिष्ट **385-392**

प्रकाशन सूची **393**